डमरू बजाए अंग भस्मी रमाये

डमरू बजाए अंग भस्मी रमाये और ध्यान लगाए किसका,
ना जाने वो डमरू वाला न जाने वो डमरू वाला ।
सब देवों में है वो देव निराला....डमरू बजाए...॥

माथे पर चंदा जिसकी जटा में है गंगा,
रहती पार्वती संग में सवारी है बूढ़ा नंदा ।
वो कैलाशी है अविनाशी पहने सर्पों की माला... डमरु बजाए...।।

बाघम्बर धारी शिव भोला त्रिपुरारी,
रहता मस्त सदा जिसकी महिमा है जग में न्यारी,, ।
वो शिवशंकर है प्रलयंकर रहता सदा मतवाला...डमरू बजाये..।।

श्याम मंडल गाए शिव शंभू को ध्याए,
जो भी मांगे पा जाए दर से खाली ना जाए ।
बड़ा है दानी बड़ा है ज्ञानी सारे जग रखवाला...डमरू बजाए ।।

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/12078/title/damaru-bajaye-ang-bhasmi-ramaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |